Edit with WPS Office

हिंदी कठिन शब्दार्थ

पाठ - 1 बहादुर

लेखक - अमरकांत

उपदेश - ज्ञान

सम्मान - आदर

हंडियाँ - मिठ्ठी से बना बर्तन

सहसा - अचानक

ठिंगना - छोटे कद का

दायित्व - जिम्मेदारी

आंखों को मलकाना - आँखें जल्दी-जल्दी खोलना और बंद करना

चकइठ - गोल बनावट का

चमकती दृष्टि से देखना - आशा तथा प्रसन्नता से देखना

ओहदा - पद

खटना - बहुत मेहनत करना

ईर्ष्या से जलना - बहुत ईर्ष्या करना

जून - समय (सुबह -शाम)

माला जपना - रट लगाना, एक ही बात बार-बार कहना

अभागिन - भाग्य; जिसका साथ न दे

भरण-पोषण - पालना-पोसना

गुस्सेबाज वाली - क्रोधी

हाथ बँटाना - सहायता करना

माथा ठनकना - शक करना

बेजबान - बेजबान, जो बोल नहीं सकता

गुस्से से पागल होना - बहुत अधिक गुस्से के कारण कुछ न सूझना

काल्पनिक अनुमान - मन में अंदाजा करना

मन फट जाना - लगाव न रहना; प्रीति न रहना

नौ दो ग्यारह होना - भाग जाना

हिदायत - चेतावनी, सीख

सलीखा - ढंग, तरीका

व्यावहारिक - व्यवहार करने योग्य

हँसमुख - हमेशा हँसते रहने वाला

फरमाइश - मांग

फिक्र - चिंता,

तलना भूनना - बहुत दुख देना

महीनावारी - मासिक, प्रतिमाह

तकलीफ - दर्द

पुलई - टहनी का अंतिम हिस्सा

रिपोर्ट - सूचना

गोया - जैसे

बंसखट - बाँस से बनी चारपाई

निर्जनता - सुनसान, सूनापन

बड़प्पन - बड़ा होने के भाव

सवांग - (स्व अंग) अपने परिवार का सदस्य; संबंधी

तनख्वाह - वेतन

निस्संदेह - बिना शक

एक खर भी न टकसाना - कुछ भी न करना

फिरकी की तरह नाचना - काम के लिए यहाँ से वहाँ दौड़ना

शान शौकत - ठाठ-बाट

Edit with WPS Office

कायल - मानने वाला

अनुशासन - नियम; व्यवस्था

नित्य - रोज, प्रतिदिन

पूर्ति - पूरा करना

गर्जन- तर्जन करना - ऊँची आवाज में डाँटना-फटकारना

हाथ छोड़ना - पिटाई करना

हुलिया टाइट करना - चेहरा बिगाड़ना, बुरी तरह से पीटना

भद्दी - गंदी

बर्दाश्त - सहन

गृह स्वामी - घर का मालिक

महीन खाना - अच्छा खाना, संपन्न लोगों का भोजन

मुँह उतरना - उदास हो जाना

चौका - रसोई

तीता - कड़वा; बुरा

पेट में लंबी दाढ़ी होना - बाहर शरीफ दिखना लेकिन वास्तव में चालाक होना

मारते-मारते मुँह रंगना - बहुत मारना, इतना मारना कि चेहरा लाल हो जाए

खिलखिलाना - जोर से हँसना

हाथ खुलना - मारने की आदत पड़ना

स्वच्छ - साफ

बातों की जलेबी चलने लगी - इधर-उधर की ढेर सारी बातें होने लगी

साड़ी का खूँट - साड़ी का कोना जिसमें पैसे रखकर बाँध लिए जाते हैं

यू डू नोट नो दिज पिपुल आर एक्सपर्ट इन दिस आर्ट - आप नहीं जानते ये लोग इस कला में बड़े माहिर होते हैं

तिरछी दृष्टि से - शक की दृष्टि से

संतुष्टि एवं प्रफुल्लता - संतोष और खुशी

सुपुर्द - हवाले

मुँह काला पड़ना - भयभीत होना

घाघ - चालाक; मंजा हुआ

दुरदुराना - डाँटना, भगाना

जान के पीछे पड़ना - बहुत परेशान करना; कष्ट देना

विलम्ब - देर

सारा घर जैसे काट रहा था - घर में रहना बुरा लग रहा था

हौंडना - खलबलाना, उथल-पुथल होना

अफसोस - दुख

पहना ओढ़ाकर भेजती - वस्त्र आदि बहुत सारी चीजें देकर भेजती

प्रपंच - दिखावा, छल

सारा शहर छान मारा - सारे शहर में ढूँढ़ लिया

कलेजा बैठना - दुखी होना

लघुता - छोटापन

अलगनी - कपड़े टाँगने की रस्सी

अनुभव - महसूस

चारपाई - खाट